प्रभात वार्ता

29th January, 2013

घुटने की समस्या होगी जड़ से समाप्त

कोलकाता, कार्यालय संवाददाता

वर्तमान समय में घुटने की समस्या से अधिकतर लोग पीड़ित हैं। यह समस्या कुछ ऐसी है जिसमें लोगों को चलने एवं बैठने में काफी तकलीफ होती है। इस समस्या के समाधान के रूप में ही नी ज्वाइंट रिप्लेसमेंट मशीन के रूप में ऑरथोपॉयलट का उद्घाटन किया गया। सोमवार की सुबह कोलकाता के बेल व्यू क्लीनिक में इस मशीन की मदद से पहली नी ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी (घुटने का ऑपरेशन) किया गया। इस सर्जरी का सीधा प्रसारण डॉक्टरों एवं संवाददाताओं के समक्ष किया गया। इस मौके पर बेल व्यू क्लीनिक के कार्यकारी प्रभारी पी.टंडन, हैदराबाद केआईएमएस के निदेशक डॉ.कृष्ण किरण, नी सर्जन डॉ. संतोष कुमार एवं अन्य चिकित्सक मौजूद थे। हैदराबाद केआईएमएस के निदेशक डॉ.कृष्ण किरण ने बताया कि घुटने की सर्जरी इससे पूर्व भी भारत में कई बार हो चुकी है लेकिन नेविगेशन के जरिए कोलकाता में यह पहली बार किया जा रहा है। उनका मानना है कि ऑरथोपॉयलट नामक इस मशीन से घुटने की सर्जरी करने से पीड़ित को काफी अधिक संतुष्टि होगी। इसके अलावा रोगी को चिकित्सा के बाद ठीक होने में भी समय काफी कम लगेगा। डॉ. संतोष कुमार ने नी ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस मशीन से घुटने की सही स्थिति को पहचानने में मदद मिलेगी। इस सर्जरी में ऑरथोपॉयलट मशीन से घुटने के अंदर इंफ्रारेड रेज भेजी जाएंगी जो पोलोरॉयड लेंस कैमरे के जरिए अपना काम करेंगी। डॉक्टरों का मानना है कि पहले घुटने की समस्या उम्रदराज लोगों में ही देखी जाती थी लेकिन वर्तमान समय में युवा वर्ग भी इस समस्या से जूझता नजर आ रहा है। इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए ही इस मशीन की शुरुआत की गई है।

सोमवार को बेल व्यू क्लीनिक में घुटना प्रत्यारोपण मशीन ऑरथोपॉयलट की शुरुआत करते क्लीनिक के कार्यकारी प्रभारी पी.टंडन, हैदराबाद केआईएमएस के निदेशक डॉ. कृष्ण किरण एवं बारबरा गाई